बालमेला २०१४–१५

शिक्षा विभाग बाड़मेर व अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन का साझा प्रयास

स्थान– शाह जैसमल भीमराज गोलेच्छा उ0 मा0 वि0, बालोतरा।
दिनॉक– 14 नवम्बर 2014

बाल मेले का शुभारम्भ–

हर्षोउल्लास के साथ **"उमंग"** का आगाज सुबह 11 बजे बाल मनोविनोद के साथ हुआ। मन की चंचलताओं को निखारने बिखेरने और करके सीखने की यह शैक्षणिक कवायद दिन बढने के साथ–साथ अपनी रंगत को बढाती जा रही थी। अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन, और शिक्षा विभाग बाडमेर के इस संयुक्त आयोजन में 65 स्कूलों से 531 बच्चों तथा 95 शिक्षक साथियों ने प्रतिभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्री पृथ्वीराज दवे, जिला शैक्षणिक प्रकोष्ठ अधिकारी श्री लक्ष्मी नारायण जोशी, सहायक जिला शिक्षा अधिकारी श्री अम्बा लाल खत्री, सहायक ब्लाक शिक्षा अधिकारी, बालोतरा श्री पूनम चंद्र परमार, सहायक ब्लाक शिक्षा अधिकारी, सिवाना श्री जैतमाल जी ने बच्चों द्वारा लगाये गये विभिन्न विषयों के स्टालों का अवलोकन कर बच्चों का मनोबल बढ़ाया।

कार्यक्रम में बालोतरा के अतरिक्त अन्य ब्लाकों के शिक्षक, नोडल अधिकारी एवं सर्व शिक्षा अभियान के आर0 पी0 ने अपनी सहभागिता निभाई। बालोतरा ब्लॉक के लगभग 13 नोडल के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों एवं शिक्षकों ने मेले के आयोजन, प्रबंधन एवं संचालन में सक्रिय एवं केन्द्रिय भूमिका निभाई।

विषयवार माडलों का प्रस्तुतीकरण–

बाल मेले में भागीदारी कर रहे 65 विद्यालयों में से 23 विद्यालयों के 245 बच्चों ने अलग–अलग विषयों के 57 मॉडल प्रस्तुत किये। बाल गीत, रंग बिरंगी ओरेगमी, निकाय चुनाव, कहानी निर्माण, गणित की माथपच्चियों को सुलझाते बच्चे उत्साह और आनन्द से अतिरेक आयोजन को सफल बनाने में दिनभर जुटे रहे। स्वागत द्वार तैयार करने, रंगबिरंगी रंगोली को सजाने, अपने–अपने स्टालों को आकर्षक रुप देने की तमाम कवायदों में बच्चों का उत्साह देखते बन रहा था। सूर्य घडी, ज्वालामुखी, इंद्रधनुष, इकोफ्रेंडली घर, रोड वाटर हारवेस्टिंग एवं टेक्स्टाइल से होने वाले जल प्रदूषण को बयॉ करते तमाम मॉडल लोगों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र थे। मेले में बच्चे सफेद कपडे पर पेन्ट और ब्रश के जरिये अपनी अभिव्यक्तियों को उकेर

रहे थे तो दूसरी तरफ जादू नही विज्ञान के स्टाल पर भोंपा बने बच्चों द्वारा तमाम झाड फूँक और अन्धविश्वासों की बखिया उधेडी जा रही थी। सामाजिक विज्ञान के विभिन्न स्टाल बच्चों को राजनैतिक पार्टियों उनके प्रतिनिधियों और चुनाव चिन्ह की जानकारी भी प्रदान कर रहे थे। कहीं मतदान की प्रक्रिया समझाई जा रही थी तो कहीं अधिकारों की जानकारी रोचक ढंग से बच्चों द्वारा प्रस्तुत की जा रही थी। बाजार की गुणागणित, नकदी का चलन और प्रभाव बयॉ करता अर्थशास्त्र का स्टाल जानकारी और आकर्षण का केन्द्र बना रहा।

ब्लॉक गतिविधि एवं संदर्भ केन्द्र का शुभारम्भ

बाल मेले के ही अवसर पर बालोतरा ब्लॉक में ब्लॉक गतिविधि एवं संदर्भ केन्द्र का शुभारम्भ किया गया। केन्द्र का भ्रमण करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी श्री पृथ्वीराज दवे ने कहा कि यह केन्द्र बालोतरा में शिक्षकों की क्षमता विकास एवं उनकी शैक्षणिक गतिविधियों के रुप में विकसित हो। केन्द्र के पुस्तकालय एवं अन्य सुसाधनों को उपयोगी एवं शिक्षक साथियों के व्यवसायिक विकासके लिए कारगर बताया। विविध विषयों जैसे साहित्य, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला, बाल साहित्य आदि के साथ ही साथ शैक्षणिक पत्रिकाओं को शिक्षक साथियों ने उपयोगी बताया। इस दौरान शिक्षक साथियों ने पढने के लिए पुस्तके भी लीं।

राजस्थानी लोक रंग की बयार–

दोपहर के भोजन के उपरांत शुरु हुई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने राजस्थान के तमाम लोक रंग को मच पर बिखेरा। गैर, घूमर, गरबा, चिरमी जैसे लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुती ने जहॉ एक तरफ लोगों को थिरकने पर मजबूर कर दिया वहीं दूसरी तरफ बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गयी लघु हास्य नाटिका ने लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। रंग बिरंगे राजस्थानी परिधानों में सजे सॅवरे नन्हे मुन्ने बच्चे मेले में चार चॉद लगा रहे थे।

समापन एवं समीक्षा–

दिन में 11 बजे से शुरु हुए इस बाल मेले का समापन शाम 5:30 बजे पूरे दिन की प्रक्रियाओं की समीक्षा के साथ हुई। कठपुतली शो के जरिये बाल मेले की तमाम प्रक्रियाओं की समीक्षा अत्यन्त ही रोचक रही। समापन के अवसर पर जिला शैक्षणिक प्रकोष्ठ अधिकारी श्री लक्ष्मीनरायण जोशी, सहायक जिला शिक्षा अधिकारी श्री अम्बा लाल खत्री, सहायक ब्लाक शिक्षा अधिकारी श्री जयतमाल जी एवं सुश्री सुखी गोयल जी ने बच्चों एवं आयोजक संस्थाओं को मेले के सफल आयोजन के लिए बधाईयॉ दी।

सरकार एवं फाउण्डेशन का सामूहिक प्रयास–

कार्यक्रम के आयोजन एवं संचालन में ब्लाक एवं जिला स्तर के लगभग सभी सम्बंधित विभागों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया । नगरपालिका, बालोतरा ने साफ सफाई, चलित शौचालय एवं कार्यक्रम स्थल को व्यवस्थित करने में सक्रिय भूमिका निभाई तो पुलिस विभाग के साथी भी पूरे दिन पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहे। शिक्षा विभाग के तमाम जिला, ब्लाक एवं नोडल स्तरीय अधिकारियों ने दिनभर अपनी उपस्थिति एवं योगदान दिया।